हरिहर काका पाठ के आधार पर महंत का चरित्र चित्रण कीजिए।

हरिहर काका अनपढ़ थे फिर भी उन्हें दुनियादारी की बेहद समझ थी। उनके भाई लोग उनसे जबरदस्ती जमीन अपने नाम कराने के लिए डराते थे तो उन्हें गाँव मे दिखावा करके जमीन हथियाने वालो की याद आती है। काका ने उन्हें दुखी होते देखा है। इसलिए उन्होंने ठान लिया था चाहे महंत उकसाए चाहे भाई दिखावा करे वह जमीन किसी को भी नही देंगे। एक बार महंत के उकसाने पर भाइयों के प्रति धोखा नहीं करना चाहते थे परन्तु जब भाइयों ने भी धोखा दिया तो उन्हें समझ मे आ गया उनके प्रति उन्हें समझ मे आ गया उनके प्रति उन्हें कोई प्यार नही है। जो प्यार दिखाते हैं वह केवल जायदाद के लिए हैं।